9 वाष्ट्रीवित्रा-व अध्याष्ट्राच अनि अध्यापानाई	25
10 निलो स्वातिन तुम्मलयस्य नेवानिन स्वातिन तुम्मलयस्य विकास	7 28
11 विशाखेन्द्रामिदेवता ॥ ११२ ॥	27 2
12 राधा-	28 8
13 नुराधा तु मैत्रो छिष्टा अमान अन्	29
म पद्मार्गिक प्रविवसम् प्रवास क्रिक्टियो मुता अथला हो में	30 5
15 उपाल नाम् मान्डणोग्रीमूल ग्रीसप्रेशनम् जिपन्त	
शनस्यतिहार्यार्ग र्योधियाः पालगुनीनमः ॥ ११६ गिठाष्टोष्ट्रे भारतिहार्याः वालगुनीनमः ॥ ११६ गिठाष्ट्रोष्ट्रे भारतिहार्याः	
17 सोत्तरा स्याद्धियोतिहरीकानुवाह ताहिक्होती	T EE
18	
19 क्रिदेवः	
20 ग्रविष्ठा तु धनिष्ठा वसदेवता ।	36
श्वास्ता जाना नेगरि सवाची र्वतीभाषाणाष्ट्र गिनाम नेगरि तको अधि	37 8
22 गतान्धिर्बुधदेवताः ॥ ११८ ॥ हाति । उन	
23 पूर्वीत्तरा भाद्रपदा द्वव्यः प्रोष्ठपदाश्च ताः ।	39
24 रेवती तु पीन्नं -मुगामु- भिक्कीर्ने । हार मि	7 04
9. K'itrâ, die 14te M. (2 W.) 10. Svâti, die 15te M. (2 V	The same
9. K itra, die 14te M. (2 W.) 10. Svati, die 15te M. (2 V 11. 12. Viçâk hâ, die 16te M. (3 W.) 13. Anurâdha, die 1	
(2 W.). — 14. Gjeshthâ, die 18te M. (2 W.). — 15. Mûla, die 1	
(2 W.). — 14. Gjeshina, die 18te m. (2 W.). — 13. Mula, die (2 W.). — 16. Pûrvâshâdhâ, die 20te M. (2 W.). — 17. U	CA.
shàdhâ, die 21te M. (2 W.). — 18. 19. Cravana, die 2	
(2 W.). — 20. Dhanishtha, die 23te M. (3 W.). — 21. Çat	
shag', die 24te M. (2 W.) 22.23. Bhâdrapadâ oder Pros	
padâ, die 26te (Pûrvabhadrapadâ = Ag'adevatâ) une	Action in the last
(Uttarabhâdrapadâ = Ahirbudhnadevatâ) Mondstation.	
Revati, die 27te M. (2 W.). Et - (W 1) nelou M abneg	